भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 3426

दिनांक 7 अगस्त, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

अल नीनो का स्वास्थ्य पर प्रभाव

†3426. डॉ. डी. रवि कुमार:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने तमिलनाडु में गर्मी से संबंधित बीमारियों पर अल नीनो के संभावित प्रभाव का आकलन किया है; यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार द्वारा इस संबंध में राज्यों को कोई हीट एक्शन प्लान जारी किया गया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) उक्त राज्य में लू और निर्जलीकरण के मामलों के प्रबंधन के लिए जन स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किए गए हैं; और

(घ) इस संबंध में तमिलनाडु को प्रदान की गई वित्तीय और तकनीकी सहायता का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (घ): सरकार अत्यधिक गर्मी से जुड़े संभावित स्वास्थ्य प्रभावों की निगरानी करती है, जिनमें वे प्रभाव भी शामिल हैं जो भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमानों के साथ-साथ एल नीनो जैसी जलवायु संबंधी घटनाओं के कारण उत्पन्न हो सकते हैं।

एल नीनो की परिस्थितियाँ सामान्य से अधिक तापमान तथा दीर्घकाल तक गर्मी के प्रकोप का कारण बन सकती हैं, जिससे विशेष तौर पर बुजर्गों, गर्भवती महिलाओं, बच्चों, जीर्ण रोगों से पीड़ित व्यक्तियों और खुले में कार्य करने वाले श्रमिकों जैसे संवेदनशील वर्गों में हीट-स्ट्रैस, गर्मी से होने वाली थकावट तथा लू लगने का जोखिम बढ़ जाता है।

सरकार ने गर्मी से होने वाली बीमारियों पर राष्ट्रीय कार्ययोजना जारी की है, जिसमें नैदानिक प्रबंधन कार्यप्रवाह, स्वास्थ्य सुविधा केन्द्रों की तैयारी तथा गर्मी से संबंधित मामलों पर स्वास्थ्य क्षेत्र की तैयारियों के

संबंध में विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया गया है। इस कार्ययोजना का विवरण निम्नलिखित लिंक पर देखा जा सकता है: https://ncdc.mohfw.gov.in/uploads/pdf/heat12.pdf)

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत, सरकार राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को निर्धारित मानकों एवं संसाधनों की उपलब्धता के अन्तर्गत उनके कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं में प्रस्तुत प्रस्तावों के आधार पर उनकी स्वास्थ्य प्रणाली को सुदृढ़ करने हेतु तकनीकी एवं वित्तीय सहायता प्रदान करती है। केंद्रीय सहायता का विवरण निम्नलिखित लिंक पर देखा जा सकता है: https://nhm.gov.in/index1.php?lang=1&level=1&sublinkid=1377&lid=744.

एनपीसीसीएचएच के तहत, अत्यधिक गर्मी सहित जलवायु-संवेदी प्राथमिक स्वास्थ्य मुद्दों पर लक्षित कार्यकलाप संचालित किए जाते हैं। तमिलनाडु राज्य सहित जन स्वास्थ्य सुविधा केन्द्रों में लू एवं निर्जलीकरण के मामलों के प्रबंधन को सुदृढ़ करने के लिए सरकार द्वारा किए गए उपाय अनुलग्नक में दिए गए हैं।

*****

अनुलग्नक

तमिलनाडु राज्य सहित जन स्वास्थ्य सुविधाओं में लू एवं निर्जलीकरण के मामलों के प्रबंधन को सुदृढ़ करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए उपाय:

i. राज्यों/केंद्र शासित क्षेत्रों द्वारा एकीकृत स्वास्थ्य सूचना मंच (आईएचआईपी) पर रिपोर्टिंग के माध्यम से राष्ट्रीय ऊष्मा-जनित रोग निगरानी शुरू की गई।

ii. मौसमी परामर्श तथा मानक उपचार प्रोटोकॉल जारी करना।

iii. गंभीर ऊष्मा-जनित बीमारियों के लिए आपातकालीन शीतलन संबंधी दिशा-निर्देश तैयार किए गए हैं।

iv. लू लगने के मामलों के प्रबंधन कार्यप्रवाह पर चिकित्सकों एवं बाल रोग विशेषज्ञों का नैदानिक प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

v. नैदानिक प्रबंधन, एचआरआई निगरानी रिपोर्टिंग तथा स्वास्थ्य क्षेत्र की गतिविधियों के कार्यान्वयन हेतु जिला नोडल अधिकारियों का प्रत्यक्ष प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

vi. एनपीसीसीएचएच के अंतर्गत राज्य एवं जिला नोडल अधिकारियों के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं की तैयारी, एचआरआई प्रबंधन तथा निगरानी रिपोर्टिंग पर वर्चुअल पुनश्चर्या प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए।

vii. चिकित्सकों, बाल रोग विशेषज्ञों, चिकित्सा अधिकारियों तथा राज्य एवं जिला स्तर के जनस्वास्थ्य अधिकारियों के लिए ऊष्मा-जनित बीमारियों के नैदानिक पहलुओं पर राष्ट्रव्यापी वर्चुअल वेबिनार आयोजित किए गए।

viii. ऊष्मा-जनित बीमारियों से बचाव हेतु संवेदनशील आबादी के लिए सूचना, शिक्षा एवं संचार (आईईसी) सामग्री तमिलनाडु राज्य सहित राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को प्रसारित की जाती है।

ix. हीट एक्शन डे (2 जून) तथा विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) मनाए गए, ताकि विभिन्न सामुदायिक एवं सोशल मीडिया मंचों के माध्यम से ऊष्मा और स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता को बढ़ावा दिया जा सके।

x. आईएमडी की चेतावनियों के आधार पर तैयार किए गए कस्टमाइज्ड कलर कोडेड चेतावनी संदेश मौसम के दौरान प्रतिदिन सभी राज्यों एवं जिलों, जिनमें तमिलनाडु भी शामिल है, के राज्य एवं जिला स्तर के नोडल अधिकारियों को आगे स्वास्थ्य संस्थानों तक प्रसार एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित किए जाते हैं।

xi. तमिलनाडु राज्य सरकार स्वास्थ्य संस्थानों में ओरल रिहाड्रेशन साल्ट (ओआरएस), अंतःशिरा (आईवी) द्रव, आपातकालीन दवाओं तथा अन्य आवश्यक सामग्री का पर्याप्त भंडार सुनिश्चित करती है।

xii. गंभीर लू के मामलों के लिए ट्रायेज तथा त्वरित रेफरल तंत्र की स्थापना।

xiii. 108 एम्बुलेंस सेवाओं के माध्यम से आपातकालीन अनुक्रिया प्रणाली को सुदृढ़ करना।

*****